C401

Total Pages : 4 Roll No. .....

BASL-302

वेद एवं उपनिषद

कला में स्नातक (बीए)

Third Year Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन (03) मन्त्रों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

(क) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्
देवो देवान् ऋतुना पर्यभूषत्।
यस्य शुवमाद् रोदसी अभ्यसेतां
नृम्णस्य महना स जनास इन्द्रः।।

(ख) विष्णोर्नु कं वीर्याणि प्र वोचं
यः पार्थिवानि विममे रजांसि।
यो अस्कभायदुत्तरं सधस्थं
विचक्रमाणस्त्रेधोरूगायः।।

(ग) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्
परिगृहीतममृतेन सर्वम्।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोता
तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।।

(घ) अग्निमीळे पुरोहितम्
यज्ञस्य देवमृत्विजम्।
होतारं रत्नधातमम्।।

(ङ) अग्निः पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरूत
स देवाँ एह वक्षति।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो (02) की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

(क) आशाप्रतीक्षे संगतसून्ततां च
इष्टापूर्ते पुत्रपशूँश्च सर्वान्।
सतद्वृङ्क्ते पुरुषस्याल्पमेधसो
यस्यानश्नन्वसति ब्राह्मणो गृहे।।

(ख) दूरभेते विपरीते विषूची
अविद्या या च विद्येति ज्ञाता।
विद्याभीप्सिनं नचिकेतसं मन्ये
न त्वा कामा बहवोऽलोलुपन्त।।

(ग) न जायते म्रियते वा विपश्चि-
न्नायं कुतश्चिन्न बभूव कश्चित्।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो
न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

(घ) आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतः।
कस्तं मदामदं देवं मदन्यो ज्ञातुमर्हति।।

3. टिप्पणी लिखिए–

(क) शुक्ल यजुर्वेद।

(ख) सामवेद।

4. कठोपनिषद् के अनुसार श्रेय एवं प्रेय का वर्णन कीजिए।

5. इन्द्रसूक्त का सारांश लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. ऐतरेय ब्राह्मण का परिचय दीजिए।

2. पठित सूक्त के आधार पर 'सूर्य' देवता की विशेषताएँ लिखिए।

3. अथर्ववेद का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. शिवसङ्कल्पसूक्त के आधार पर मन का लक्षण बताइए।

5. अक्षसूक्त से क्या शिक्षा मिलती है?

6. नचिकेता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. कल्प नाम 'वेदाङ्ग' के विषय में आप क्या जानते हैं?

8. 'ज्योतिष' नाम वेदाङ्ग का परिचय दीजिए।